(c) whether the repair work of Unit IV and V had been carried out without ascertaining the reasons of the failure through the enquiry committee; and

(d) which agency has been found responsible for the major failure causing an outage of more than 8 months of units IV and V?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRIMATI URMILABEN CHIMANBHAI PATEL): (a) and (b) Yes, Sir. A representative of M/s. Ansaldo, the supplier of Unit IV, was also a member of the enquiry committee set up by National Thtrmal Power Corporation (NTPC). As the investigation required detailed study of the design data, product design, etc.; association of a representative of the supplies was considered essential for timely access to important information, faster analysis, better coordination and arriving at an action plan.

(c) The committee submitted an interim report on 31st May, 1994, based on initial analysis, which indicated very tight margins in the structural designs. The interim report, as a measure of abundant precaution and for faster rehabilitation of units, recommended strengthening of the Electro-static Precipitator (ESP) structures as per technical investigation and analysis. Such strengthening work was started, based on the above report, but was fine-tuned to take care of operational exigencies.

(d) The enquiry committee has submitted its final report to NTPC on 7th February, 1995. The committee has made a detailed technical analysis, whteh is under scrutiny by NTPC.

टिहरी बांध परियोजना के विस्थापितों का पुनर्वास और मुआवजा

3456. **प्रो० राम बख्श सिंह वर्मा :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टिहरी, उत्तर प्रदेश में टिहरी बांध परियोजना के अन्तर्गत डूब क्षेत्र में जिन किसानों की भूमि सरकार द्वारा अधिग्रहीत की गई है उन्हें न तो उचित मुआवजा दिया गया है और न ही उन लोगों के पुनर्वास की उचित व्यवस्था की गई है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उन्हें कब तक मुआवजा दिया जाएगा और उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिला बेन चिमनभाई पटेल): (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता।

(ग) पुनर्वास कार्य दो चरणों में किया जा रहा है प्रथम चरण में काफर बांध के निर्माण के कारण प्रभावित लोगों का पुनर्वास किया जा रहा है। मुख्य बांध के निर्माण के कारण प्रभावित लोगों का पुनर्वास चरण-2 में किया जाएगा। काफर बांध के निर्माण के कारण प्रभावित 2096 परिवारों में से 2034 परिवारों का पुनर्वास चरण-1 में उनको समुचित मुआवजा प्रदान करके कर दिया गया है। शेष 30 परिवारों के लिए उनको पुनर्वास किए जाने हेतु भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। जहां तक चरण-2 के अन्तर्गत पूर्ण रूप प्रभावित 2845 परिवारों तथा आंशिक रूप से प्रभावित 3998 परिवारों का संबंध है उनमें से 445 परिवारों का पुनर्वास उनको कृषि योग्य भूमि अथवा नगद मुआवजे का भुगतान करके किया गया है। शेष परिवारों का पुनर्वास मुख्य बांध का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में बिजली घरों के लिए कोयले और गैस की आवश्यकता

3457. **श्री दिलीप सिंह जूदेव :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में प्रत्येक बिजली घर के लिए कोयले और गैस की कुल कितनी आवश्यकता है ;

(ख) क्या कोयले और गैस की आपूर्ति में कोई कमी हुई है ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान, वर्षवार, कोयले और गैस की कितनी मात्रा की आपूर्ति की गई है ; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस मांग को पूरा करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती उर्मिलाबेन विमनभाई पटेल (क) से (ग) एन० टी० पी० सी० के केन्द्रों समेत मध्य प्रदेश में वर्ष 1992–93 से 1994–95 तक विद्युत केन्द्रों की कोयले की आवश्यकता और उपलब्धता का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए) मध्य प्रदेश में कोई गैस आधारित विद्युत केन्द्र नहीं है। जहां तक कोयले की सप्लाई का संबंध है, इन वर्षों के दौरान कोयले की सप्लाई में गिरावट नहीं आई है ।

(घ) मध्य प्रदेश समेत देश के सभी ताप विद्युत केन्द्रों को कोयले की सप्लाई की स्थिति की उच्चस्तरीय अन्तर-विभागीय बैठकों समेत निरंतर समीक्षा की गई थी और समय-समय पर उपचारात्मक कार्रवाई की गई थी ।

विवरण

मध्य प्रदेश के ताप विद्युत केन्द्रों की कोयले की आवश्यकता एवं उपलब्धता '000' टन में

ताप विद्युत केन्द्र का नाम	1992–93		1993–94		1994–95	
	आवश्यकता	उपलब्धता	आवश्यकता	उपलब्धता	आवश्यकता	उपलब्धता
मध्य प्रदेश बिजली बोर्ड						
1. अमरकंटक	1200	1000	990	1014	1290	1098
2. कोरबा पूर्वी	1921	1507	1900	1763	2050	1976
3. कोरबा पश्चिमी	3778	3315	3542	3304	3410	3192
4. बीरसिंहपुर	156	—	150	185	750	897
5. सतपुड़ा	4470	4454	4390	4528	4910	5310
उप-जोड म.प्र.बि.बो.	11525	10276	10972	10794	12410	12476
एन०टी०पी०सी० :—						
1. कोरबा एसटीपीएस	8260	9328	8630	10161	10290	9571
2. विंध्याचल एसटीपीएस	3776	3773	3900	5461	5120	5453
जोड़ म.प्र.	23561	13101	12530	15622	15410	15024